जवाहरलाल नेहरु कृषि विश्वविद्यालय, जबलपुर
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग

सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी

क्रमांक 139
दिनांक 25.08.2023

आईसीएआर के डॉ आनंद कुमार विश्वकर्मा बने तिल एवं रामतिल परियोजना के परियोजना समन्वयक

जबलपुर 25 अगस्त, 2023। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर में चार दशक से अधिक समय से संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा वित्त पोषित तिल एवं रामतिल परियोजना के नए परियोजना समन्वय के पद पर डॉ. आनंद कुमार विश्वकर्मा, प्रमुख वैज्ञानिक ने पदभार ग्रहण किया। आप जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के भूतपूर्व प्रतिभावान छात्र रह चुके हैं। डॉ. आनंद कुमार विश्वकर्मा आईसीएआर–आईआईएसएस भोपाल में अपनी सेवाएं दे रहे थे। 40 से अधिक वर्षो से संचालित तिल एवं रामतिल परियोजना के प्रोजेक्ट को–ऑर्डिनेटर के रूप में डॉ. आनंद कुमार विश्वकर्मा परियोजना को नई ऊंचाईयां प्रदान करेंगे।

गौरतलब है कि डॉ. विश्वकर्मा वर्ष 2003 में कृषि अनुसंधान सेवाओं (आई. सी. ए. आर.) में शामिल हुए और उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र के लिए आई. सी. ए. आर. अनुसंधान परिसर में वैज्ञानिक के पद पर नियुक्त हुए और मिजोरम केंद्र और मुख्यालय बारापानी में सेवा की। वर्ष 2009 में आपको पदोन्नत किया गया और आई. सी. ए.आर.– आई. आई. एस. डब्ल्यू. सी. देहरादून, अनुसंधान केंद्र वासद गुजरात में वरिष्ठ वैज्ञानिक के पद पर नियुक्त किया गया और 2009 से 2013 के दौरान सेवाएं दी। तद्उपरांत आपने 2013 से 2023 तक आई. सी. ए. आर. भारतीय मृदा विज्ञान संस्थान भोपाल में वरिष्ठ वैज्ञानिक और प्रमुख वैज्ञानिक के रूप में कार्य किया। आपके 50 से अधिक शोध पत्र, 12 पुस्तकें और कई पुस्तक अध्याय एवं बुलेटिन प्रकाशित हो चुके हैं। आपको एम.एस.सी. (सस्य विज्ञान) के लिए विश्व विद्यालय स्वर्ण पदक एवं ओ पी धामा नकद पुरस्कार आईसीएआर द्वारा 2011–12 के लिए कृषि और संबद्ध विज्ञान (प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन और कृषि इंजीनियरिंग) में उत्कृष्ट अंतःविषय टीम अनुसंधान के लिए आईसीएआर पुरस्कार और राष्ट्रीय सोसायटी से कई पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। जिनमें फैलो ऑफ इंडियन सोसायटी ऑफ सॉयल एंड वॉटर कंजर्वेशन और फैलो ऑफ इंडियन एसोसिएशन ऑफ हिल फार्मिंग प्रमुख हैं।

रामतिल परियोजना के नए परियोजना समन्वय के पद पर आसीन होने पर डॉ. आनंद कुमार विश्वकर्मा को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रमोद कुमार मिश्रा सहित अधिकारी, विभागाध्यक्ष, वैज्ञानिकों ने हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाईयां प्रेषित की है।